Under CSR Support by Ipca | Foundation missiongyan

अध्याय - 7| भारत की सांस्कृतिक जड़ें

QUIZ PART-03

1. 'उपनिषद' किस आधार पर रचित ग्रंथ माने जाते हैं?

A. बौद्ध दर्शन पर
B. वैदिक संकल्पनाओं पर
C. पुराणों पर
D. खगोल विज्ञान पर (B)

व्याख्या : उपनिषद वैदिक संकल्पनाओं के आधार पर रचित माने जाते हैं और उनमें कई नई आध्यात्मिक धारणाएँ मिलती हैं।

2. 'वेदांत' के अनुसार सम्पूर्ण जगत किस तत्व से बना माना गया है?

A. जल
B. वायु
C. ब्रह्म
D. अग्नि (C)

व्याख्या : वेदांत के अनुसार जीव, प्रकृति और ब्रह्मांड — सब ब्रह्म नामक दैवी तत्व का ही विस्तार हैं।

3. 'अहम् ब्रह्मास्मि' का भाव क्या है?

A. मैं सबसे श्रेष्ठ हूँ
B. मैं देवताओं की पूजा करता हूँ
C. मैं दिव्य तत्व हूँ
D. मैं प्रकृति का हिस्सा नहीं हूँ (C)

व्याख्या : 'अहम् ब्रह्मास्मि' का अर्थ है — 'मैं ब्रह्म हूँ', अर्थात् प्रत्येक जीव में दिव्यता निहित है।

4. छांदोग्य उपनिषद में श्वेतकेतु को किस उदाहरण से ब्रह्म की सर्वव्यापकता समझाई गई?

A. सूर्य के प्रकाश से
B. पर्वतों के निर्माण से
C. बरगद के बीज से
D. सागर की लहरों से (C)

व्याख्या : उद्दालक ने श्वेतकेतु को बताया कि जैसे नग्न आँखों से बरगद के बीज में वृक्ष नहीं दिखता, पर वह निहित रहता है, वैसे ही ब्रह्म अदृश्य पर सर्वव्यापी है।

5. कठोपनिषद में नचिकेता किस देवता के पास ज्ञान लेने गया?

A. वरुण
B. अग्नि
C. इंद्र
D. यम (D)

व्याख्या : नचिकेता को उसके पिता ने क्रोध में यम देव को समर्पित कर दिया, और वह उनसे आत्मा के रहस्य जानने गया।

6. नचिकेता ने यम देव से कौन-सा प्रश्न पूछा?

A. ब्रह्मांड कैसे बना?
B. मृत्यु के बाद क्या होता है?
C. यज्ञ कैसे करें?
D. देवता कहाँ रहते हैं? (B)

व्याख्या : नचिकेता मृत्यु के बाद आत्मा के अस्तित्व से जुड़े प्रश्न का उत्तर जानना चाहता था।

7. यम देव ने आत्मा के बारे में क्या बताया?

A. वह नश्वर है
B. वह जन्म लेती है और मरती है
C. वह अमर है
D. उसका कोई प्रभाव नहीं (C)

व्याख्या : यम ने बताया कि शरीर की मृत्यु होती है, किंतु आत्मा जन्महीन और अमर है।

8. बृहदारण्यक उपनिषद में किसका शास्त्रार्थ वर्णित है?

A. बुद्ध और महावीर का
B. याज्ञवल्क्य और गार्गी का
C. कृष्ण और अर्जुन का
D. व्यास और वाल्मीकि का (B)

व्याख्या : बृहदारण्यक उपनिषद में गार्गी और याज्ञवल्क्य के बीच ब्रह्म के स्वरूप पर गहन संवाद मिलता है।

9. याज्ञवल्क्य ने गार्गी को क्या समझाया?

A. राजाओं का महत्व
B. ऋतुओं का निर्माण
C. ब्रह्म ही संसार का आधार है
D. यज्ञ की विधि (C)

व्याख्या : याज्ञवल्क्य ने बताया कि ब्रह्म ही संसार, ऋतुओं और सभी पदार्थों का मूल कारण है।

10. उपनिषदों में किस मूलभूत भावना पर बल दिया गया है?

A. शक्ति-संग्रह
B. युद्धकौशल
C. सबके सुख और कल्याण की कामना
D. व्यापार विस्तार (C)

व्याख्या : उपनिषदों में 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' जैसी प्रार्थनाओं द्वारा सभी जीवों के कल्याण की भावना व्यक्त की गई है।

मिशन ज्ञान जब चाहें, जहाँ चाहें, जो चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App